सरकार इस साल जून तक पेट्रोल में 5 फीसदी एथनॉल मिलाना जरूरी करने की तैयारी में

एथनॉल मामले में बढ़ी OMC की मुश्किल

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को एथनॉल के लिए जो कोट मिले हैं वे काफी ज्यादा हैं

[रामकृष्ण काशेलकर *मुंबई*]

सरकार इस साल जून तक पूरे भारत में पेट्रोल में 5 फीसदी एथनॉल मिलाना जरूरी करने की तैयारी में है। इससे एथनॉल मार्केट में बड़े पैमाने पर अफरा-तफरी फैल सकती है। तेल कंपनियों को एथनॉल के लिए जो कोट मिले हैं, वो काफी ज्यादा हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस समस्या से बचने के लिए बेहतर रणनीति के साथ एथनॉल मिलाने वाले नियमों को धीरे-धीरे लागू करना बेहतर होगा। सरकार ने नवंबर 2012 में पूरे देश में पेट्रोल में 5 फीसदी एथनॉल मिलाना जरूरी कर दिया था। जनवरी 2012 में सरकार ने गजट नोटिफिकेशन के जरिए ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) को इस बारे में निर्देश दिया। हाल में नई दिल्ली में एक कॉन्फ्रेंस में पेट्रोलियम मिनिस्टर वीरप्पा मोइली ने कहा था, 'यह टारगेट 30 जून 2013 तक हासिल किया जाना है।'

इस बारे में जारी किए गए टेंडर में एथनॉल सप्लायर काफी ऊंची कीमतें कोट कर रहे हैं। एक ऑयल मार्केटिंग कंपनी के टॉप अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया, 'घरेलू सोर्सिंग के लिए प्राइस 43-55 रुपए प्रति लीटर कोट की जा रही है।' अब तक मिले कोटेशन में से सिर्फ आधा यानी 110 करोड़ लीटर की जरूरत घरेलू सोर्सिंग से पूरी की जा सकती है। जो रकम कोट की गई है, वह एथनॉल की अभी की कीमत से ज्यादा है। एथनॉल का इस्तेमाल करने वाली कंपनी बालाजी अमाइंस के डायरेक्टर कमर्शियल राम रेड्डी ने बताया, 'अगर एथनॉल की घरेलू कीमतें 36 रुपए से ज्यादा होंगी, तो इंपोर्ट व्यावहारिक हो सकता है।' अमेरिकी एनर्जी डिपार्टमेंट के एनर्जी इंफॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन (ईआईए) के मुताबिक, एथनॉल का मई महीने का फ्यूचर्स फिलहाल 2.33 डॉलर प्रति गैलन या तकरीबन 33.85 रुपए प्रति लीटर पर मिल रहा है। कंपनियों की तरफ से कोट की गई एथनॉल की प्राइस तो पेट्रोल की लागत से भी ज्यादा है। इसे रिफाइनरी ट्रांसफर प्राइस या आरटीपी कहा जाता है। इंडियन ऑयल के मुताबिक, 2 अप्रैल 2013 को आरटीपी 41.64 रुपए प्रति लीटर था। इंटरनेशनल कंपनियां सरप्लस एथनॉल प्रोडक्शन की तैयारी में हैं। फाइनेंशियल ईयर 2013-14 में ब्राजील में गन्ने का रिकॉर्ड उत्पादन होने का अनुमान है। इससे वहां एथनॉल पर टैक्स में कटौती की संभावना है। जानकारों का मानना है कि सरकारी पहल से घरेलू एथनॉल मार्केट में अफरा-तफरी मच जाएगी।

डेलॉयट टी टी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के देवाशीष मिश्रा ने बताया, 'पेट्रोल में एथनॉल मिलाने के अभियान से बड़े पैमाने पर इसके इंपोर्ट की जरूरत होगी। लिहाजा, इससे एनर्जी की सुरक्षा का मकसद हासिल नहीं होगा और करेंट एकाउंट डेफिसिट भी बढ़ेगा।' उनके मुताबिक, घरेलू सप्लाई में बढ़ोतरी के जरिए धीरे-धीरे इस नियम को लागू करने से ही बात बनेगी।

एक्सपर्ट की राय

सही रणनीति के साथ एथनॉल मिलाने वाले नियमों को धीरे-धीरे लागू करना बेहतर होगा

सरकार ने नवंबर 2012 में पूरे देश में पेट्रोल में 5 फीसदी एथनॉल मिलाना जरूरी कर दिया था

जानकारों का मानना है कि सरकारी पहल से घरेलू एथनॉल मार्केट में अफरा-तफरी मच जाएगी

The Economic Times (Hindi)
5/4/13